>

Title: Need to start boat services in Andaman and Nicobar Islands.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): अध्यक्ष महोदया, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में लोगों को द्वीप से द्वीप जाने के लिए बोट सर्विस लाइफ लाइन है और पैसेंजर-कम-व्हीकल सर्विसज़ तथा बोट सर्विसेज़। भारत सरकार कह रही है कि प्लान और नॉन-प्लान फण्ड में हमारे द्वीप समूह पर एक आदमी पर 50 हजार रूपये खर्च होते हैं, लेकिन सेवा के नाम पर जहाज सेवा लंगड़े की तरह चल रही है। मैं आपको उदाहरण देना चाहता हूं, चाताम से बाम्बूफ्लैट, मिडल स्टेट से निलाम्बुर, उत्तरा जेट्टी से गांधी घाट जेट्टी में पैसेंजर व्हीकल सर्विस बुरी तरह से अनियमित है। 50 साल पहले में जो आबादी बढ़ी, इफ्रास्ट्रक्चर, जैसे लेंडिंग रैम्प, स्लीप वे और जेट्टी उसी मुताबिक नहीं बनी है। ड्राई डॉक की बहुत कमी है। जापान काल के समय में जो ड्राई डॉक बनाया गया था, आज भी वही चल रहा है। जैट्टी, जहाज और लेंडिंग रैम्प कम होने के कारण मारपीट, धरना, हड़ताल और कोर्ट कचहरी में केस चल रहे हैं। मिडिल स्टेट से निलाम्बुर तथा उत्तरा जेट्टी से गांधी घाट जेट्टी में परापार के लिए कार्गो ट्रक, टूरिस्ट बस, वाहन तथा पैसेंजर दस घण्टे खड़े रहते हैं।

सबसे दुख की बात है कि जिस धरती का बेटा, अंडमान का बेटा, मिटैंगरी बस्ती जंगलीगढ़ से बस्ती मिटैंगरी में वोट सर्विस थी। 40 साल वोट सर्विस चली। सुनामी के बाद वोट सर्विस बंद हो चुकी है। करोड़ों रुपये खर्च कर दिये गये। जेट्टी बनाया गया। लेकिन जंगलीघाट पर जेट्टा, व्हाइट एलीफेंट खड़ा है। वहां से अभी तक वोट सर्विस शुरु नहीं हुआ। मायाबंद टू हंसपुरी वोट सर्विस थी, बंद हो गई। कालीघाट टू मायाबंदर वोट सर्विस थी, बंद हो गई। कचाल द्वीप जहां पर हमारे मंत्री जी गये थे, तत्कालीन हरिन पाठक जी गये थे, वहां वोट सर्विस बंद हो गई। द्वीप में ऐसा अंचल है, गणेश नगर, शांति नगर, कृष्णा नगर, पश्चिम सागर, जगन्नाथ डेरा आदि एरिया में आज भी वोट सर्विस सेवा आरम्भ नहीं की गई है। भगवान न करे, सुनामी आ जाए और उनके निकलने का रास्ता कोई नहीं है। उनके यातायात का साधन भी कोई नहीं है। इसलिए मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस क्षेतॖ में भारत सरकार के मंतॖी एक बार अंडमान-निकोबार में जाएं। आज सरकार के एक भी मंतॖी यहां पर नहीं बैठे हुए हैं। जो मैंने अपने क्षेतॖ की समस्या रखी है, उसका जल्दी से समाधान किया जाए। धन्यवाद।